



# Soujanya Maity

19 Jul 2021

09:45 AM

Kolkata

Model: Web-MyKundli

Order No: 121712501

## शुभभाङ्ग

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती है। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

লিঙ্গ \_\_\_\_\_: পুরুষ  
জন্ম তারিখ \_\_\_\_\_: 19/07/2021  
দিন \_\_\_\_\_: সোমবার  
জন্ম সময় \_\_\_\_\_: 09:45:00 ঘন্টা  
ইন্ট \_\_\_\_\_: 11:45:49 ঘটা  
স্থান \_\_\_\_\_: Kolkata  
রাজ্য \_\_\_\_\_: West Bengal  
দেশ \_\_\_\_\_: India

অক্ষাংশ \_\_\_\_\_: 22:34:00 উত্তর  
রেখাংশ \_\_\_\_\_: 88:21:00 পূর্ব  
মধ্য রেখাংশ \_\_\_\_\_: 82:30:00 পূর্ব  
স্থানীয় সংস্কার \_\_\_\_\_: 00:23:24 ঘন্টা  
গ্রীষ্ম সংস্কার \_\_\_\_\_: 00:00:00 ঘন্টা  
স্থানীয় সময় শোধন \_\_\_\_\_: 10:08:24 ঘন্টা  
বেলাান্তর \_\_\_\_\_: -00:06:20 ঘন্টা  
সাম্প্রতিক কাল \_\_\_\_\_: 05:57:09 ঘন্টা  
সূর্যোদয় \_\_\_\_\_: 05:02:40 ঘন্টা  
সূর্যাস্ত \_\_\_\_\_: 18:22:47 ঘন্টা  
দিনমান \_\_\_\_\_: 13:20:07 ঘন্টা  
সূর্য স্থিতি -অয়ন \_\_\_\_\_: দক্ষিণায়ন  
সূর্য স্থিতি -গোল \_\_\_\_\_: উত্তর  
ঋতু \_\_\_\_\_: বর্ষা  
সূর্য ডিগ্রী \_\_\_\_\_: 02:34:42 কর্কট  
লগ্ন ডিগ্রী \_\_\_\_\_: 05:11:03 কন্যা

অবকহড়া চক্র  
লগ্ন-লগ্নাধিপতি \_\_\_\_\_: কন্যা - বুধ  
রাশি-স্বামী \_\_\_\_\_: তুলা - শুক্র  
নক্ষত্র-চরণ \_\_\_\_\_: বিশাখা - 2  
নক্ষত্র-স্বামী \_\_\_\_\_: বৃহস্পতি  
যোগ \_\_\_\_\_: শুভ  
করণ \_\_\_\_\_: তৈতিল  
গণ \_\_\_\_\_: অরি  
যোনি \_\_\_\_\_: ব্যাঘ্র  
নাড়ী \_\_\_\_\_: মধ্য  
বর্ণ \_\_\_\_\_: শূদ্র  
বশ্য \_\_\_\_\_: মানব  
বর্গ \_\_\_\_\_: সর্প  
যুগ্ম \_\_\_\_\_: মধ্য  
হংসক \_\_\_\_\_: ভূমি  
জন্ম নামাঙ্কর \_\_\_\_\_: তু-তুকারাম  
পায়া/রাশি-নক্ষত্র \_\_\_\_\_: রৌপ্য - তাম্র  
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য \_\_\_\_\_: কর্কট

# পঞ্জিকা

পিতামহের নাম \_\_\_\_\_ :  
বাবার নাম \_\_\_\_\_ :  
মায়ের নাম \_\_\_\_\_ :  
জাতি \_\_\_\_\_ :  
গোত্র \_\_\_\_\_ :

ক্যালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিন্দ
রাষ্ট্রীয়	শক : 1943	আষাঢ়	28
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2078	শ্রাবণ	4
বাংলা	সন্ : 1428	শ্রাবণ	3
তামিল	সম্বৎ : 2078	অদী	4
কেরালা	কোল্লম : 1196	কর্কটিকা	3
নেপালী	সম্বৎ : 2078	শ্রাবণ	4
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2078	আষাঢ়	শুক্ল 10
কার্তিকাদি	সম্বৎ : 2078	আষাঢ়	শুক্ল 10

## পঞ্জিকা

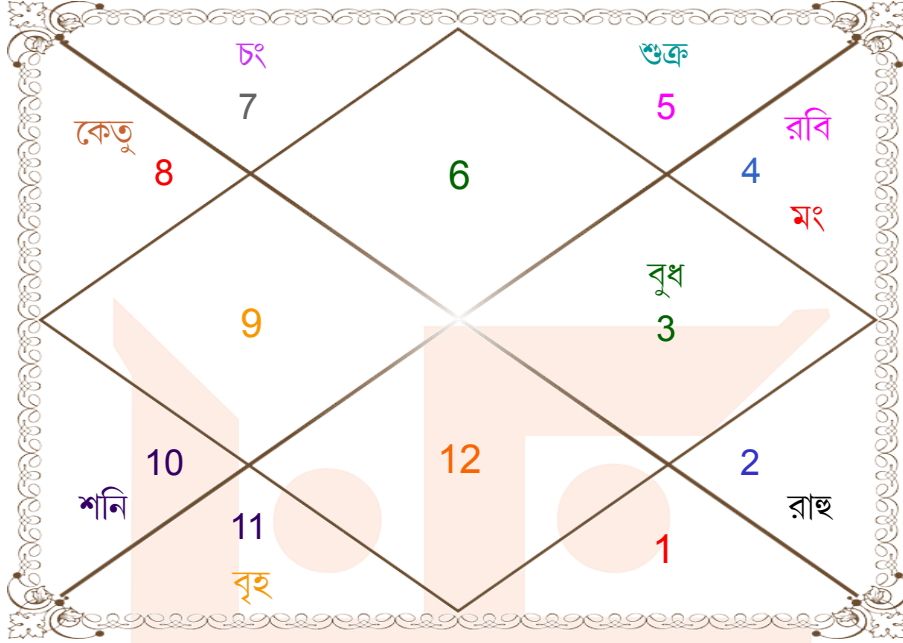
সূর্যোদয় কালীন তিথি \_\_\_\_\_ : 10  
তিথির সমাপ্তিকালীন \_\_\_\_\_ : 22:00:05  
জন্ম তিথি \_\_\_\_\_ : 10  
সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র \_\_\_\_\_ : বিশাখা  
নক্ষত্র সমাপ্ত কাল \_\_\_\_\_ : 22:26:51 ঘন্টা  
জন্মকালীন যোগ \_\_\_\_\_ : বিশাখা  
সূর্যোদয় কালীন যোগ \_\_\_\_\_ : শুভ  
যোগ সমাপ্ত কাল \_\_\_\_\_ : 22:50:18 ঘন্টা  
জন্মকালীন যোগ \_\_\_\_\_ : শুভ  
সূর্যোদয় কালীন করণ \_\_\_\_\_ : তৈতিল  
করণ সমাপ্ত কাল \_\_\_\_\_ : 11:16:32 ঘন্টা  
জন্মকালীন করণ \_\_\_\_\_ : তৈতিল  
ভয়ৎ \_\_\_\_\_ : 24:02:37  
ভাবক \_\_\_\_\_ : 55:47:15  
ভোগ্য দশা \_\_\_\_\_ : বৃহ 9 ব 1 মা 15 দি

## ঘাত চক্র

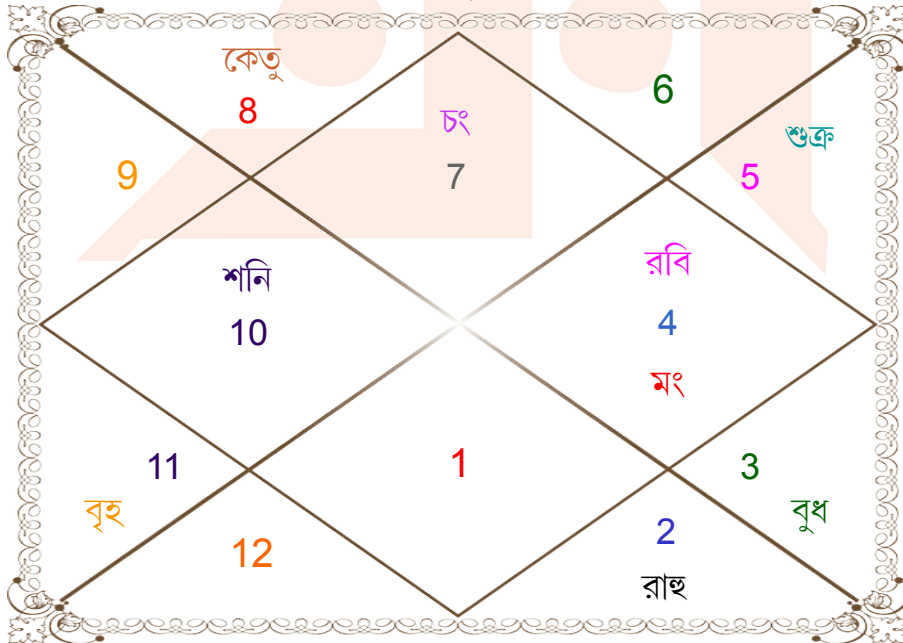
মাস \_\_\_\_\_ : মাঘ  
তিথি \_\_\_\_\_ : 4-9-14  
দিন \_\_\_\_\_ : বৃহস্পতিবার  
নক্ষত্র \_\_\_\_\_ : শতভিষা  
যোগ \_\_\_\_\_ : শুক্ল  
করণ \_\_\_\_\_ : তৈতিল  
প্রহর \_\_\_\_\_ : 4  
বর্গ \_\_\_\_\_ : গরুড়  
লগ্ন \_\_\_\_\_ : কন্যা  
সূর্য \_\_\_\_\_ : কন্যা  
চন্দ্র \_\_\_\_\_ : ধনু  
মঙ্গল \_\_\_\_\_ : তুলা  
বুধ \_\_\_\_\_ : কর্কট  
বৃহস্পতি \_\_\_\_\_ : বৃশ্চিক  
শুক্র \_\_\_\_\_ : ধনু  
শনি \_\_\_\_\_ : সিংহ  
রাহু \_\_\_\_\_ : মকর

# জন্ম কুণ্ডলী

## নগ্ন কুণ্ডলী



## চন্দ্র কুণ্ডলী



# লগ্ন কুন্ডলী ঔর দশা

## লগ্ন কুন্ডলী

		রাহু	বুধ
বৃহ			মং রবি
শনি			শুক্র
	কেতু	চং	লং

## লগ্ন কুন্ডলী

	রাহু		
বুধ			বৃহ
মং রবি			শনি
শুক্র		চং	
	লং		কেতু

বিংশোত্তরী  
বৃহস্পতি 9ব 1মা 15দি  
বৃহস্পতি

19/07/2021

04/09/2134

বৃহস্পতি	03/09/2030
শনি	03/09/2049
বুধ	03/09/2066
কেতু	03/09/2073
শুক্র	03/09/2093
রবি	04/09/2099
চন্দ্র	04/09/2109
মঙ্গল	04/09/2116
রাহু	04/09/2134

য়োগিনী

ধান্যা 1ব 8মা 16দি  
ভ্রামরী

05/04/2023

05/04/2027

ভ্রামরী	14/09/2023
ভদ্রিকা	04/04/2024
উলকা	04/12/2024
সিদ্ধা	14/09/2025
সঙ্কটা	04/08/2026
মঙ্গলা	14/09/2026
পিঙ্গলা	04/12/2026
ধান্যা	05/04/2027

## গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গ্রহ	ব	অ	রাশি	ডিগ্রী	গতি	নক্ষত্র	পদ	সংখ্যা	রা	ন	অ.	স্থিতি
লং			কন্যা	05:11:03	333:22:56	উ ফাল্গুনী	3	12	বুধ	রবি	বুধ	---
রবি			কর্ক	02:34:42	00:57:15	পূর্বসূ	4	7	চং	বৃহ	রাহু	মিত্ররাশি
চং			তুলা	25:43:40	14:19:48	বিশাখা	2	16	শুক্র	বৃহ	বুধ	সমরাশি
মং			কর্ক	29:09:46	00:37:28	অশ্লেষা	4	9	চং	বুধ	শনি	নীচস্থ
বুধ			মিথু	17:56:32	01:51:38	আর্দ্রা	4	6	বুধ	রাহু	রবি	স্বরাশি
বৃহ	ব		কুম্ভ	06:45:24	00:05:11	শতভিষা	1	24	শনি	রাহু	রাহু	সমরাশি
শুক্র			সিংহ	02:25:22	01:12:10	মঘা	1	10	রবি	কেতু	শুক্র	শত্রুরাশি
শনি	ব		মক	17:03:36	00:04:14	শ্রবণা	3	22	শনি	চং	শনি	স্বরাশি
রাহু			বৃষ	15:38:05	00:01:11	রোহিণী	2	4	শুক্র	চং	বৃহ	মিত্ররাশি
কেতু			বৃশ্চি	15:38:05	00:01:11	অনুরাধা	4	17	মং	শনি	বৃহ	মিত্ররাশি
ইউ			মেঘ	20:13:27	00:01:32	ভরণী	3	2	মং	শুক্র	বৃহ	---
নেপ	ব		কুম্ভ	28:54:02	00:00:44	পূ ভাদ্রপদ	3	25	শনি	বৃহ	রবি	---
প্লু	ব		মক	01:22:36	00:01:27	উত্তরাষাঢ়া	2	21	শনি	রবি	বৃহ	---
দশম ভাব			মিথু	05:11:19	--	মৃগশিরা	--	5	বুধ	মং	রবি	--

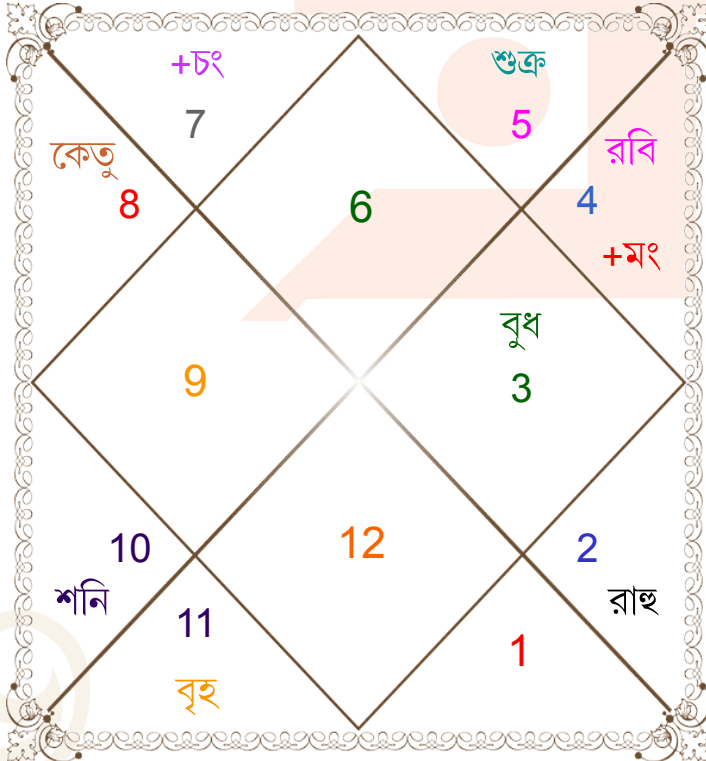
ব - বক্রী স - স্থির

অ - অস্ত পূ - পূর্ণ অস্ত

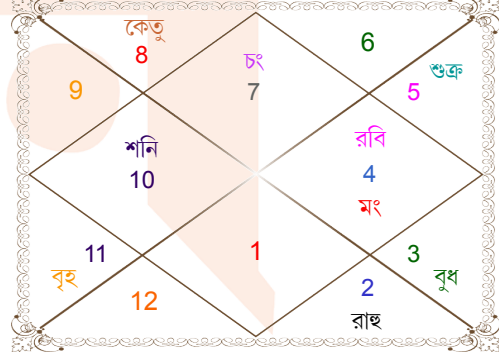
রাহু : স্পর্শ

লাহিড়ী অয়নাংশ : 24:09:14

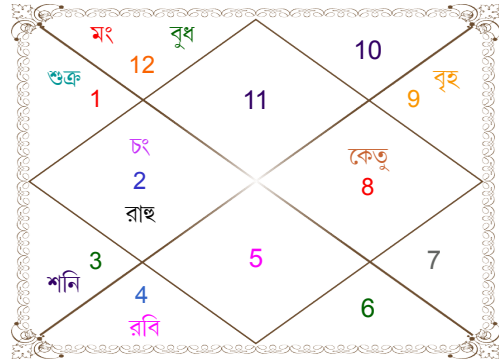
### লগ্ন চলিত



### চন্দ্র কুন্ডলী



### নবাংশ কুন্ডলী



## चलित एवं निरयन भाव चलित

### चलित डिग्री

भाव	भाव सङ्घ	भाव मध्य
1	सिंह 20:11:06	कन्या 05:11:03
2	कन्या 20:11:06	तुला 05:11:08
3	तुला 20:11:11	वृश्चिक 05:11:14
4	वृश्चिक 20:11:16	धनु 05:11:19
5	धनु 20:11:16	मकर 05:11:14
6	मकर 20:11:11	कुम्भ 05:11:08
7	कुम्भ 20:11:06	मीन 05:11:03
8	मीन 20:11:06	मेष 05:11:08
9	मेष 20:11:11	वृष 05:11:14
10	वृष 20:11:16	मिथुन 05:11:19
11	मिथुन 20:11:16	कर्कट 05:11:14
12	कर्कट 20:11:11	सिंह 05:11:08

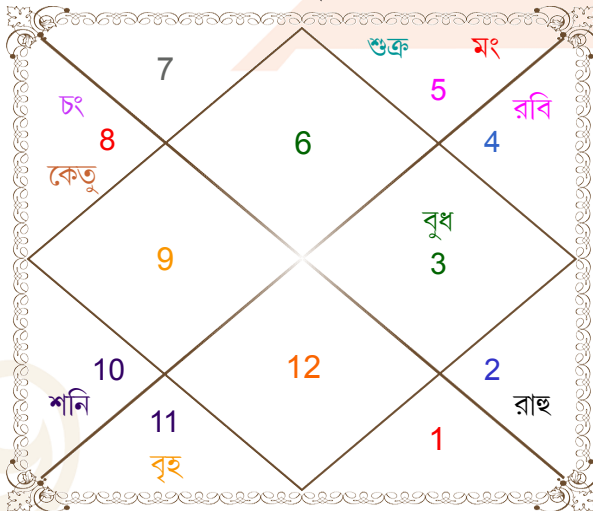
### निरयन भाव चलित

भाव	राशि	डिग्री
1	कन्या	05:11:03
2	तुला	04:05:27
3	वृश्चिक	04:29:12
4	धनु	05:11:19
5	मकर	05:52:13
6	कुम्भ	06:14:34
7	मीन	05:11:03
8	मेष	04:05:27
9	वृष	04:29:12
10	मिथुन	05:11:19
11	कर्कट	05:52:13
12	सिंह	06:14:34

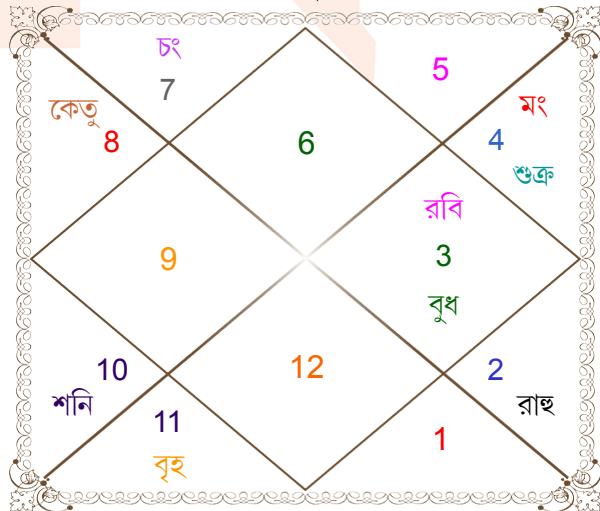
### तारा चक्र

जन्म	सम्पत्	विपत्	क्षेम	प्रत्याग्नि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
बिशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूला	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवणा	धनिष्ठा	शतभिषा
पू भाद्रपद	उ भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा
पुनर्वसू	पुष्या	अश्लेषा	मघा	पू फाल्गुनी	उ फाल्गुनी	हस्ता	चित्रा	स्वाती

### चलित कुम्भली



### भाव कुम्भली



# বিংশোত্তরী দশা

ভোগ্য দশা : বৃহস্পতি 9 বর্ষ 1 মাস 15 দিন

বৃহ 16 বর্ষ	শনি 19 বর্ষ	বুধ 17 বর্ষ	কেতু 7 বর্ষ	শুক্র 20 বর্ষ
19/07/2021 03/09/2030	03/09/2030 03/09/2049	03/09/2049 03/09/2066	03/09/2066 03/09/2073	03/09/2073 03/09/2093
00/00/0000	শনি 06/09/2033	বুধ 31/01/2052	কেতু 31/01/2067	শুক্র 03/01/2077
19/07/2021	বুধ 16/05/2036	কেতু 27/01/2053	শুক্র 01/04/2068	রবি 03/01/2078
বুধ 10/08/2021	কেতু 25/06/2037	শুক্র 28/11/2055	রবি 07/08/2068	চং 04/09/2079
কেতু 17/07/2022	শুক্র 25/08/2040	রবি 03/10/2056	চং 08/03/2069	মং 03/11/2080
শুক্র 17/03/2025	রবি 07/08/2041	চং 05/03/2058	মং 04/08/2069	রাহু 04/11/2083
রবি 03/01/2026	চং 08/03/2043	মং 02/03/2059	রাহু 22/08/2070	বৃহ 05/07/2086
চং 05/05/2027	মং 16/04/2044	রাহু 18/09/2061	বৃহ 29/07/2071	শনি 03/09/2089
মং 10/04/2028	রাহু 21/02/2047	বৃহ 25/12/2063	শনি 06/09/2072	বুধ 04/07/2092
রাহু 03/09/2030	বৃহ 03/09/2049	শনি 03/09/2066	বুধ 03/09/2073	কেতু 03/09/2093

রবি 6 বর্ষ	চং 10 বর্ষ	মং 7 বর্ষ	রাহু 18 বর্ষ	বৃহ 16 বর্ষ
03/09/2093 04/09/2099	04/09/2099 04/09/2109	04/09/2109 04/09/2116	04/09/2116 04/09/2134	04/09/2134 00/00/0000
রবি 22/12/2093	চং 05/07/2100	মং 31/01/2110	রাহু 18/05/2119	বৃহ 23/10/2136
চং 22/06/2094	মং 03/02/2101	রাহু 19/02/2111	বৃহ 11/10/2121	শনি 06/05/2139
মং 28/10/2094	রাহু 05/08/2102	বৃহ 26/01/2112	শনি 17/08/2124	বুধ 20/07/2141
রাহু 22/09/2095	বৃহ 05/12/2103	শনি 06/03/2113	বুধ 06/03/2127	00/00/0000
বৃহ 10/07/2096	শনি 05/07/2105	বুধ 03/03/2114	কেতু 24/03/2128	00/00/0000
শনি 22/06/2097	বুধ 05/12/2106	কেতু 30/07/2114	শুক্র 24/03/2131	00/00/0000
বুধ 29/04/2098	কেতু 06/07/2107	শুক্র 29/09/2115	রবি 16/02/2132	00/00/0000
কেতু 03/09/2098	শুক্র 06/03/2109	রবি 04/02/2116	চং 17/08/2133	00/00/0000
শুক্র 04/09/2099	রবি 04/09/2109	চং 04/09/2116	মং 04/09/2134	00/00/0000

❖ উপরোক্ত দশা চন্দ্রের অংশ আধারিত । ভয়াত ভভোগ আধারিত দশা ভোগ্যকাল বৃহ ৯ ব ১ মা ৮ দি হয় ।

❖ উপরোক্ত তিথি দশা সমাপ্তির সময় । বিংশোত্তরী দশা পুরো ১২০ বর্ষের বর্ধিত, আয়ুনির্ণয় ব্যতীত ।

## বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

বৃহ - চং		বৃহ - মং		বৃহ - রাহু		শনি - শনি		শনি - বুধ	
<b>03/01/2026</b>		<b>05/05/2027</b>		<b>10/04/2028</b>		<b>03/09/2030</b>		<b>06/09/2033</b>	
<b>05/05/2027</b>		<b>10/04/2028</b>		<b>03/09/2030</b>		<b>06/09/2033</b>		<b>16/05/2036</b>	
চং	13/02/2026	মং	25/05/2027	রাহু	19/08/2028	শনি	24/02/2031	বুধ	24/01/2034
মং	13/03/2026	রাহু	15/07/2027	বৃহ	14/12/2028	বুধ	30/07/2031	কেতু	22/03/2034
রাহু	25/05/2026	বৃহ	29/08/2027	শনি	02/05/2029	কেতু	02/10/2031	শুক্র	02/09/2034
বৃহ	29/07/2026	শনি	22/10/2027	বুধ	03/09/2029	শুক্র	02/04/2032	রবি	21/10/2034
শনি	14/10/2026	বুধ	10/12/2027	কেতু	24/10/2029	রবি	27/05/2032	চং	11/01/2035
বুধ	22/12/2026	কেতু	30/12/2027	শুক্র	19/03/2030	চং	27/08/2032	মং	09/03/2035
কেতু	19/01/2027	শুক্র	24/02/2028	রবি	02/05/2030	মং	30/10/2032	রাহু	04/08/2035
শুক্র	11/04/2027	রবি	12/03/2028	চং	14/07/2030	রাহু	13/04/2033	বৃহ	13/12/2035
রবি	05/05/2027	চং	10/04/2028	মং	03/09/2030	বৃহ	06/09/2033	শনি	16/05/2036
শনি - কেতু		শনি - শুক্র		শনি - রবি		শনি - চং		শনি - মং	
<b>16/05/2036</b>		<b>25/06/2037</b>		<b>25/08/2040</b>		<b>07/08/2041</b>		<b>08/03/2043</b>	
<b>25/06/2037</b>		<b>25/08/2040</b>		<b>07/08/2041</b>		<b>08/03/2043</b>		<b>16/04/2044</b>	
কেতু	09/06/2036	শুক্র	04/01/2038	রবি	11/09/2040	চং	24/09/2041	মং	01/04/2043
শুক্র	15/08/2036	রবি	03/03/2038	চং	10/10/2040	মং	28/10/2041	রাহু	31/05/2043
রবি	05/09/2036	চং	07/06/2038	মং	30/10/2040	রাহু	22/01/2042	বৃহ	24/07/2043
চং	08/10/2036	মং	14/08/2038	রাহু	21/12/2040	বৃহ	10/04/2042	শনি	27/09/2043
মং	01/11/2036	রাহু	03/02/2039	বৃহ	06/02/2041	শনি	10/07/2042	বুধ	23/11/2043
রাহু	01/01/2037	বৃহ	07/07/2039	শনি	02/04/2041	বুধ	30/09/2042	কেতু	17/12/2043
বৃহ	24/02/2037	শনি	07/01/2040	বুধ	21/05/2041	কেতু	03/11/2042	শুক্র	22/02/2044
শনি	29/04/2037	বুধ	18/06/2040	কেতু	10/06/2041	শুক্র	07/02/2043	রবি	13/03/2044
বুধ	25/06/2037	কেতু	25/08/2040	শুক্র	07/08/2041	রবি	08/03/2043	চং	16/04/2044
শনি - রাহু		শনি - বৃহ		বুধ - বুধ		বুধ - কেতু		বুধ - শুক্র	
<b>16/04/2044</b>		<b>21/02/2047</b>		<b>03/09/2049</b>		<b>31/01/2052</b>		<b>27/01/2053</b>	
<b>21/02/2047</b>		<b>03/09/2049</b>		<b>31/01/2052</b>		<b>27/01/2053</b>		<b>28/11/2055</b>	
রাহু	19/09/2044	বৃহ	24/06/2047	বুধ	06/01/2050	কেতু	21/02/2052	শুক্র	19/07/2053
বৃহ	05/02/2045	শনি	18/11/2047	কেতু	26/02/2050	শুক্র	21/04/2052	রবি	08/09/2053
শনি	20/07/2045	বুধ	28/03/2048	শুক্র	23/07/2050	রবি	09/05/2052	চং	04/12/2053
বুধ	14/12/2045	কেতু	21/05/2048	রবি	05/09/2050	চং	09/06/2052	মং	02/02/2054
কেতু	13/02/2046	শুক্র	22/10/2048	চং	17/11/2050	মং	30/06/2052	রাহু	07/07/2054
শুক্র	05/08/2046	রবি	07/12/2048	মং	07/01/2051	রাহু	23/08/2052	বৃহ	22/11/2054
রবি	26/09/2046	চং	22/02/2049	রাহু	19/05/2051	বৃহ	10/10/2052	শনি	05/05/2055
চং	22/12/2046	মং	17/04/2049	বৃহ	14/09/2051	শনি	07/12/2052	বুধ	29/09/2055
মং	21/02/2047	রাহু	03/09/2049	শনি	31/01/2052	বুধ	27/01/2053	কেতু	28/11/2055

## শুভাশুভ জ্ঞান

শুভাশুভজ্ঞান আপনাকে নিজের মিত্র এবং শত্রু সম্বন্ধে সজাগ করায়। মূলাক্ষ, ভাগ্যাক্ষ এবং মিত্রাঙ্কর সহিত মিত্রতা এবং অংশীদারি করলে লাভ তথা সহযোগ প্রাপ্তি হবে। শুভ দিন এবং বর্ষ উন্নতি কারক তথা শুভ গ্রহের দশা লাভদায়ক। সেরূপ মিত্রলগ্ন এবং মিত্ররাশির ঘনিষ্ঠতা লাভদায়ক।

শুভরত্ন, শুভ ধাতু এবং শুভ রং ধারণ করলে শারীরিক এবং মানসিক সুস্থতা থাকে, ভাগ্য রত্ন ধারণ করলে সৌভাগ্য বৃদ্ধি হয়। শুভ সময়ে কার্য প্রারম্ভ করলে সফলতা প্রাপ্তি হয়। সাথে-সাথে ইন্টদেবের ধ্যান এবং জপ মানসিক শান্তি তথা সফলতা প্রদান করে। শুভ পদার্থ-অন্ন, দ্রব্য ইত্যাদির দান অথবা ব্যবসায় শুভ দিকে শুরু করলে বাঞ্ছিত ফললাভ প্রাপ্ত হয়। এইরূপ শুভাশুভজ্ঞানের দৈনন্দিন জীবনে প্রয়োগ শুভফলদায়ক।

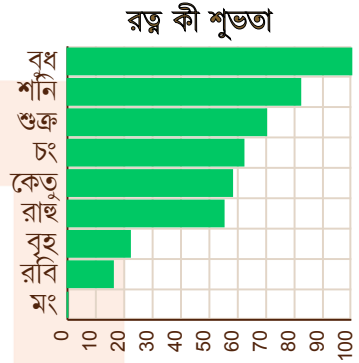
মূলাক্ষ	1
ভাগ্যাক্ষ	4
মিত্র অক্ষ	1, 4, 8, 9
শত্রু অক্ষ	3, 5, 6
শুভ বর্ষ	19,28,37,46,55
শুভ দিন	বুধ, শুক্র
শুভ গ্রহ	বুধ, শুক্র
মিত্র রাশি	মকর, মিথুন
মিত্র লগ্ন	ধনু, বৃষ, কর্কট
অনুকূল দেবতা	লক্ষ্মী
শুভ রত্ন	পান্না
শুভ উপরত্ন	ওনিঝ, ওপাল
ভাগ্য রত্ন	হীরা
শুভ ধাতু	কাংস
শুভ রং	সবুজ
শুভ দিক্	উত্তর
শুভ সময়	সূর্যোদয় পশ্চাত
দান পদার্থ	হাতি দাঁত, কর্পূর, ফল
দান অন্ন	মুগ
দান দ্রব্য	ঘী

## রত্ন চয়ন

রত্ন জীবন মেং শুভত্ব কী বৃদ্ধি কে লিএ ধারণ কিএ জাতে হৈং। বৈজ্ঞানিক রূপ সে, রত্ন অপনে গৃহ কী রাশিযোং কো পর্ণমাত্রা মেং মানব শরীর মেং প্রবাহিত কর গৃহ প্রভাব কী বৃদ্ধি করতে হৈং। যही कारण है कि रत্ন केवल शुभ ग्रहोएं का ही धारण किया जाता है। गृह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रोएं की फति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नां में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत্ন चयन हेतु गृह की शुभता दशांते है।

नीचे जन्मकण्डली में ग्रहोएं की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही केटोन सा गृह किस त्त्रे में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नोएं की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस गृह को १५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसको रत্ন हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिसे ५०-१५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उमें कार्य त्त्रे अनूसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत্ন केवल २५-५० प्रतिशत शुभता लिए हैं उनको रत্ন केवल उनकी या उनको मित्रोएं की दशा में धारण करने चाहिए। अस्तंतः जिसे २५ प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे गृह अपने लिए अशुभ ही समरों नर उनको रत्नोएं को पहनने से बचना चाहिए।

रत্ন	गृह	शुभता	क्षेत्र
पान्ना	बुध	100%	व्यवसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
नीला	शनि	82%	सन्तति सुख, शत्रु एवं रोग मुक्ति
हीरा	शुक्र	70%	कम खरच, भाग्योदय, धन
मुज्जा	चं	62%	धन, धनार्जन
बैदूर्यमनि	केतु	58%	परक्रम, धनार्जन
गोमेद	राह	55%	भाग्योदय, कम खरच
पोखराज	बृह	22%	शत्रु व रोग, गृह कलेश, दाम्पत्य कष्ट
माणिक्य	रवि	16%	हानि, व्यय
प्रवाल	मं	0%	हानि, दुर्घटना, परक्रम हानि



### दशानुसार रत্ন विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मुज्जा	प्रवाल	पान्ना	पोखराज	हीरा	नीला	गोमेद	बैदूर्यमनि
बृह	03/09/2030	28%	69%	0%	100%	47%	58%	82%	55%	58%
शनि	03/09/2049	0%	50%	0%	100%	22%	77%	95%	61%	41%
बुध	03/09/2066	28%	50%	0%	100%	22%	77%	82%	55%	58%
केतु	03/09/2073	0%	50%	0%	100%	22%	77%	70%	34%	70%
शुक्र	03/09/2093	0%	50%	0%	100%	22%	83%	89%	61%	64%
रवि	04/09/2099	41%	69%	0%	100%	34%	58%	70%	34%	41%
चं	04/09/2109	28%	75%	0%	100%	22%	70%	82%	34%	41%
मं	04/09/2116	28%	69%	12%	100%	34%	70%	82%	34%	64%
राह	04/09/2134	0%	50%	0%	100%	22%	77%	89%	67%	41%

## সাড়েসাতী বিচার

শনির সাড়েসাতীর প্রভাব দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের সাহায্যে কমানো সম্ভব। রত্ন পরিধান করার পূর্বে দুধ ও গঙ্গাজলে পরিষ্কার করে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে। শনি দ্বাদশ, প্রথম এবং দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম করলে তবেই কোন জন্মকুণ্ডলীতে সাড়েসাতীর প্রভাব পরিলক্ষিত হয়। শনি নাটাল চন্দ্রের চতুর্থ ও অষ্টম স্থান অতিক্রম করার ফলে ঠেয়ার প্রভাব দেখা যায়। সাড়েসাতীর প্রভাব বিদ্যমান হয় সাড়ে সাত বছর এবং ঠেয়ার প্রভাব বিদ্যমান হয় আড়াই বছর। সাধারণতঃ এটি শরীর, মানসিক শাস্তি এবং অর্থনৈতিক অবস্থা বিঘ্নিত করে।

সাধারণতঃ সাড়েসাতী যে কোনো জন্মকুণ্ডলী তিনবার পরিভ্রমণ করে প্রথম-বাল্যকালে দ্বিতীয়-যৌবনকালে তৃতীয় - বৃদ্ধ বয়সে, প্রথম সাড়েসাতী শিক্ষা ও পিতা মাতাকে প্রভাবিত করে। দ্বিতীয় সাড়েসাতী জীবিকা অর্থ এবং পারিবারকে প্রভাবিত করে। শেষ সাড়েসাতী স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করে।

নিম্ন লিখিত সারণীতে সাড়েসাতীর পর্যায় এবং তার প্রভাব বর্ণিত হল।

### প্রথম চক্র

চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	19/07/2021-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-31/05/2032	-----
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	-----

### দ্বিতীয় চক্র

চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	27/05/2059-11/07/2061	13/02/2062-07/03/2062	-----
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	30/08/2068-04/11/2070	-----	-----
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	04/11/2070-05/02/2073	31/03/2073-23/10/2073	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076

### তৃতীয় চক্র

চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	15/01/2079-12/04/2081	03/08/2081-07/01/2082	-----
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	18/07/2088-31/10/2088	05/04/2089-19/09/2090	25/10/2090-21/05/2091
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	11/10/2097-02/05/2098	20/06/2098-26/12/2099	17/03/2100-16/09/2100
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	26/12/2099-17/03/2100	16/09/2100-03/12/2102	-----
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	03/12/2102-29/11/2105	-----	-----

### শনির ঠেয়া ফল

ঠেয়ার প্রকার	ফল	ক্ষেত্র
চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া	শুভ	সন্ততি সুখ
অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া	শুভ	ভাগ্যোদয়
সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া	সম	স্বাস্থ্য
সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া	শুভ	ধন
সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া	সম	পরাক্রম হানি

## সাড়েসাতীর উপায়

দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের মাধ্যমে সাড়েসাতীর প্রভাব সীমিত করা সম্ভব। দান সামগ্রীর মধ্যে কালো বস্ত্র কালো কলাই, চামড়ার জুতো, শস্য দানা ইত্যাদি উল্লেখযোগ্য। শনিবার অনাহার করে শনির পূজা করা উচিত এবং পরে গম, গমের আটা, ফল, কালো নুন, কালো কলাই ইত্যাদি আহার করা উচিত। শনিবার নিজে অথবা ব্রাহ্মণের মাধ্যমে ১৯০০০ বার।

**ॐ প্রাং প্রং প্রৌং সঃ শনৈশ্চরায় নমঃ ।।**

মন্ত্র, উচ্চারণ করা দরকার স্বাস্থ্য মানসিক শান্তি, পরিবারের সুখ, অর্থ এবং জীবিকার উপর সাড়েসাতীর শুভপ্রভাব লাভের জন্য মহামৃত্যুঞ্জয় মন্ত্র উচ্চারণ করলে সুফল পাওয়া যেতে পারে। ১২৫০০০ বার এই মন্ত্রটি উচ্চারণ করতে হবে।

**ॐ ত্রযংবকম যজামহে সুগন্ধিং পুষ্টিবর্ধনম্।**

**উবার্গকমিব বন্ধনাম্মৃত্যোর্মুক্তীয় মা মৃতাত।।**

রত্ন পরিধানের পূর্বে এটি দুধ এবং গঙ্গাজলে ধুয়ে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে।

**ॐ হোং জুং স ॐ ভূর্ভুব স্ব ॐ।।**

শনির সাড়েসাতীর শুভত্ব যাড়ানোর জন্য শনি যারের দিন আপনি ঘোড়ার নাল বা নৌকার পেরেক দিয়ে তৈরী লোহার আংটা ধারণ করুন। আপনি নীলা বস্ত্র যাহিষ্কার করুন, কারণ শনি আপনার ঠিকুজীতে যোগকারক গ্রহ নয়। লোহার আংটা ডানহাতে মধ্যমা আঙুলে ধারণ করুন।

শনিবার শুক্ল পক্ষে সূর্যোৎস-র পূর্বে রত্ন পরিধানের শুভ সময়। এদিন পুষ-্যা, অনুরাধা, উত্তরা ভাদ্রপদ নক্ষত্র গুলি শুভ। শনিবার উপোস থাকা জরুরি।

**ॐ শং শনৈশ্চরায় নম ।**

অঙ্গুষ্ঠী ধারণ করলে শনির বস্ত্র দান করা উচিত। শনির অশুভ প্রভাব কম হবে তথা আপনার সুখ শান্তি এবং সমৃদ্ধি বৃদ্ধি হবে। ডড্রডশডড্রডশশ্রী হনুমান চালীসা এবং শ্রী হনুমান অষ্টক পাঠ করা শ্রেষ্ঠ।

## ईर्ष्या-किंभ्र

जब वर या कन्या की कुंडली में मङ्गल लग्ना, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो माङ्गलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

**लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
स्त्री भर्तृविनाशश्च भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।**

यदि जातक जातिकार कुष्ठते मङ्गल गृह चतुर्थ घर, सप्तम घर, अष्टम घर वा द्वादश घरे स्थित হয় তবে এটাকে মাঙ্গলিক দোষ বলা হয়। মঙ্গল চন্দ্রের সংগে যুক্ত হয়ে প্রবল হয়। যদি শাস্ত্রানুসারে জাতক ও জাতিকা মাঙ্গলিক দোষমুক্ত হয় তবে তারা সুখে নিশ্চিন্তে বৈবাহিক জীবন যাপন করবেন। অন্যদিকে যদি তারা এই দোষমুক্ত না হয় তবে তারা অযথা বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হয়। সুতরাং পুরুষ ও মহিলা উভয়েরই বৈবাহিক জীবন শুরু করার পূর্বে উভয়ের কুষ্ঠিকে ভাল ভাবে বিচার করা উচিত। মাঙ্গলিক দোষ ভালভাবে মুক্ত করার পরে তারা শান্তিপূর্ণ বৈবাহিক জীবন যাপন করতে পারবেন।

\*\*\*\*\*

আপনার রাশিচক্রে মঙ্গল একাদশতম গৃহে অবস্থিত যাহা ঐশ্বর্যের উপস্থাপন অর্থাৎ আপনি ইহার প্রভাবে অর্থবান হইবেন। আপনার জীবনে ঐশ্বর্য ও বিলাসের কোন অভাব থাকিবে না। বিভিন্ন উৎস হইতে সম্পত্তি আসিবে এবং আপনি বহু ভূসম্পত্তির অধিকারী হইবেন, যাহা আপনাকে লাভবান করিতে পারে। সমাজে আপনি এক সম্মানীয় ও প্রভাবশালী ব্যক্তি হইবেন এবং যশ ও স্বীকৃতি পাইবেন।

একাদশতম গৃহ হইতে দ্বিতীয় গৃহ পর্যন্ত মঙ্গলের দৃষ্টি ইংগিত করে যে, আপনি সাধারণত শান্তিপূর্ণ পারিবারিক জীবন অতিবাহিত করিবেন। কিন্তু সময়ান্তরে পরিবারের মধ্যে দুরত্ব আসিতে পারে, কিন্তু এই বিভেদ ও দুরত্ব কখনই গুরুতর রূপ লইবে না। সময়ান্তরে আপনার ভাষা কর্কশ হইতে পারে। আপনি আপনার শিক্ষার প্রারম্ভিক কালে বাধার সম্মুখীন হইতে পারেন কিন্তু আপনি তাহা অতিক্রম করিতে সক্ষম হইবেন।

পঞ্চম গৃহে মঙ্গলের দৃষ্টি ইংগিত করে যে আপনি অত্যন্ত সুখকর সন্তান লাভ করিবেন, কিন্তু তাহাদের জন্ম সামান্য বিলম্বিত হইতে পারে। একটি পর্যায় পর্যন্ত তাহারা আপনাকে সহযোগ করিবেন।

আপনি উচ্চশিক্ষা লাভে সক্ষম হইবেন। উচ্চপদস্থ কর্মীদের সহিত আপনার সম্পর্ক মধুর হইবে এবং তাহারা আপনাকে সময়ান্তরে সহায়তা করিবেন। ষষ্ঠ গৃহে মঙ্গলের দৃষ্টি ইংগিত করে যে আপনি আপনার সকল শত্রুকে দমন করিবেন। আপনি প্রতিযোগিতামূলক পরীক্ষা এবং মামলা-মোকদ্দমা অথবা নির্বাচনে সফল হইবেন। কিন্তু আপনি অত্যধিক দৈহিক তাপ ও রক্তের ব্যাধিতে আক্রান্ত হইতে পারেন। কিন্তু ইহা গুরুতর ক্ষতি করিবে না। আপনি আপনার মাতুলদিগের হইতে বিশেষ সমর্থন পাইবেন না।

আপনি শান্তিপূর্ণ বিলাসবহুল ও ঐশ্বর্যময় জীবন অতিবাহিত করিবেন। আপনি আপনার পরিবারকে বিভিন্ন বিলাস ও সুখ প্রদান করিবেন। আপনি সুখে বৈবাহিক জীবন অতিবাহিত করিবেন এবং আপনার পরিবারের সদস্যগণ আপনাকে সম্পূর্ণ সহযোগিতা করিবেন।

## কালসর্প যোগ

অগ্নে রাহুরথ কেতু সর্বে মধ্যগতা গৃহা।  
যোগা যং কালসর্পাখ্যো শীঘ্রং তং তু বিনাশয।।

রাহু এবং কেতু গৃহের মধ্যে বাকি সমস্ত সাত গৃহ বিদ্যমান থাকলে, কালসর্প যোগ গঠিত হয়। এই কালসর্প যোগের অশুভ ফল থেকে মুক্তি পেতে এর নিবারণ করা অত্যন্ত জরুরী।

কুন্ডলীর দ্বাদশ ভাবে রাহুর উপস্থিতি অনুযায়ী প্রধানত দ্বাদশ প্রকার কালসর্প যোগ গঠিত হয়-  
৩. আলুকি ৪. কুন্ডলিকাল ৫. পদ্ম ৬. মহাপদ্ম ৭. তক্ষক ৮. ককোটিক ৯. শংখচূড় ১০.  
ঘাতক ১১. বিষধর ১২. শেযনাগ।

কালসর্প যোগ উদিত এবং অনুদিত দুই প্রকারের হয়। রাহুর সামনে/মুখে সমস্ত সাত গৃহ গৃহিত থাকলে তাহা উদিত গোলার্ধ যোগ তৈরী করে এবং রাহুর পশ্চাৎ দিক থেকে যদি সাত গৃহ স্থাপিত হয় তা অনুদিত গোলার্ধ নামক যোগ তৈরী করে। যদি রাহু ও কেতুর মধ্যে স্থিত গৃহে কিছু গৃহ রাহু-কেতুর অক্ষে সামান্য বাইরে থাকে তা আংশিক কালসর্প যোগ হিসাবে পরিগণিত হয়।

এই যোগে উৎপন্ন জাতক মানসিক অশান্তি, ধনপ্রাপ্তিতে বাধা, সন্তান জন্মে অবরোধ এবং গৃহস্থ জীবনের প্রতিমুহূর্তে অশান্তির সম্মুখীন হয়। জাতক প্রায়ই দুঃস্বপ্ন দেখে। কিছু না কিছু অশুভ ঘটনার আশঙ্কা মনের মধ্যে থাকে। নিজস্ব ক্ষমতা ও কার্য কুশলতার পূর্ণ ফল প্রাপ্ত করে না অথবা দেরীতে সফলতা প্রাপ্ত করে। এই যোগে হঠাৎ লোকসান বা প্রতিষ্ঠা হানির সম্মুখীন হয়। কালসর্প যোগের বিধিবেং উপচারের দ্বারা এরূপ কষ্ট থেকে মুক্তি পাওয়া সম্ভব।

### জাতক পর কালসর্প যোগের প্রভাব

আপনার জন্মকুন্ডলীতে কালসর্পযোগ না থাকায় এটির জন্য শান্তি ইত্যাদির আবশ্যিকতা নেই এবং আপনি সম্পূর্ণ সুখী জীবনযাপন করবেন।







## ॥ शनिपितृदोष ॥

- पंचम भाव में शनि स्थित है एवं राहु से दृष्ट है।
- पंचम भाव का स्वामी शनि है तथा उस पर राहु का प्रभाव है।

आपकी कुंडली में '{ के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में शनि पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा दलित पर किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ भगवान रुद्र की पूजा करें। पीपल को जल चढ़ायें व पूजा करें। शम्मी की समिधा से हवन करें। बकरी व शनि प्रीतकारी वस्तुओं का दान करें। गरीब या जरूरतमंदों की सहायता के रूप में दान दें तथा कौए को खाने का पहला ग्रास खिलायें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

### नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह स्रयंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

## ह्यनुडु ॐ कव्य

### शुक्र

ककर्टराशि एकादश स्थाने रविर अवस्थान हेतु आपनार जीवने उन्नति एवं अवनति दुटोई থাকवे। आपनि ँषुधेर जीविकाय आर्थिक लाभवान हबेन।

कन्यालग्नु इंगित करे वडुभाइदर तुलनाय वडुबोनेदर काछे बेशी मात्राय स्नेह पाबेन एवं किन्तु रविर एकादश स्थाने अवस्थान हेतु वडु बोनेदर तुलनाय वडु भाइदर सङ्गे आपनार बेशीमात्राय सुसम्पर्क थाकवे। आपनि वयस्क व्यक्तियदर साथे बन्धुत्व करबेन। समाजे आपनि बुद्धिमान एवं शिक्षित व्यक्तियदर सम्मुखीन हबेन। आपनार पुरुष बन्धुदर थेके महिला बन्धु बेशी थाकवे।

आपनार जन्मेर समय सूर्य एकादशस्थाने अवस्थान कराय आपनार पिता शारीरिक दुर्बलता अनुभव करबेन एवं असुखे आक्रान्त हबेन। आपनार पिता आपनाके सर्वक्षेत्रे साहाय्य ँ समर्थन करबेन।

आपनि पितাকে सम्मान ँ भक्ति करबेन। आपनादर मध्ये सुसम्पर्क वजाय थाकवे। किन्तु कोन समये आपनादर मध्ये कोन व्यापारे मतपार्थक्य देखा दिलेँ ता क्षणस्थायी हबे। आपनारा उभये उभयेर प्रति यत्नवान हबेन।

### चन्द्र

चन्द्र तुलाराशिर द्वितीयगृहे अवस्थान हेतु आपनि ख्याति अर्जन करबेन एवं धनी हबेन। आपनार सङ्गे युक्त प्रतिष्ठानगुलितेँ आपनि प्रतिष्ठा पाबेन। आपनि प्रतिभावान, आपनि भविष्यतेर प्रयोजनेर जन्य प्रचुर सध्ण्य करबेन। आपनि विलासवहल एवं दीर्घजीवन अतिवाहित करबेन। बन्धुदर थेके लाभवान हबेन एवं आपनार निजस्व कठोर परिश्रम परवर्ती काले साहाय्य हबे। आपनि ये कोनभावे चोखेर समस्या दूर करबेन।

आपनार जन्मेर समय चन्द्रेर द्वितीय स्थाने अवस्थानेर दरुन आपनार मायेर स्वास्थ्य भाल थाकवे। आपनार मा आपनाके ज्ञान ँ अर्थ उपार्जने सहयोगीता करबेन। आपनार अगुगति ँ साफल्ये तिनि गुरुत्त्वपूर्ण भूमिका नेबेन। तिनि आपनाके नैतिक दिक दिये शिक्षित करे तुलबेन एवं अनेक गुरुत्त्वपूर्ण काजे साहाय्य करबेन।

आपनार मा आपनाके एकजन निष्ठावान एवं आञ्जवह पुत्र रूपे पाबेन। आपनि ताँके आर्थिक दिक दिये सहयोगीता करबेन। आपनारा परस्परके भालभावे काछे पाबेन एवं एके अपरेर सहयोगीताय सुखी जीवनयापन करबेन।

### मङ्गल

ककर्टराशि एकादशस्थाने मङ्गलेर अवस्थान हेतु आपनि आपनार इच्छा पूरन करते चाहिले आपनार अन्यामनस्कतार प्रति सतर्क थाकबेन एवं कठोर परिश्रम करबेन। आपनि उच्चकाङ्क्षी हबेन। सोनार काजेर व्यवसाय अथवा भाइदर थेके आर्थिक क्षति हण्यार सञ्जवना थाकवे। वडु भाइ एवं

বোনাদের সাথে আপনার সুসম্পর্ক থাকবে না। আপনি সমাজে শিক্ষিত এবং সাহসী ব্যক্তিদের সাথে মেলামেশা করবেন।

এই শিশুটির জন্ম সময়ে মঙ্গল ছিল একাদশ ঘরে যা ইংগিত করে যে তার ভাই-বোনরা মাঝে মধ্যে খারাপ স্বাস্থ্যের জন্য কষ্ট পাবে। তারা পরস্পরকে ভালোবাসবে ও মান্য করবে। তারা সম্ভাব্য সকল উপায়ে তাকে সহযোগ দেবে।

কিছু বিভেদ ছাড়া তারা মিলেমিশে থাকবে। কিন্তু উদ্বিগ্নতা বেশীক্ষণ সহায়ী হবে না।

## বুধ

বুধের দশমে মিথুনরাশির অবস্থান হেতু আপনার জীবন সুখময় হবে এবং সকল ক্ষেত্রে ভাগ্যবান হবেন। সুস্বাস্থ্য, সম্পদ এবং জীবিকায় উচ্চপদ লাভ করবেন। আপনি জীবিকা হিসাবে শিক্ষকতার পথ অবলম্বন করলে উজ্জ্বল প্রতিষ্ঠা পাবেন। আপনার পিতা আপনার উন্নতি লক্ষ্য করবেন এবং পিতার সাথে আপনার সুন্দর বোঝাপড়ার দরুন আপনার ঘরের পরিবেশ আনন্দময় হবে।

## বৃহস্পতি

বৃহস্পতানে বৃহস্পতির অবস্থান আপনার ক্ষেত্রে খুবই গুরুত্বপূর্ণ কারণ এই অবস্থানের ফলে কাজের মাধ্যমে আপনি জ্ঞান আহরণ করবেন। নিজ উদ্দেশ্য সাধনের জন্য কোনকিছু তৎক্ষণাৎ পাওয়ার ইচ্ছাকে আপনি দমন করতে সক্ষম হবেন যা ভবিষ্যতে আপনার পক্ষে অত্যন্ত কার্যকরী হবে।

কন্যালগ্নের উপস্থিতির ফলে মামাবাড়ীর আত্মীয়স্বজনের সঙ্গে আপনার সুসম্পর্ক বজায় না থাকার ইংগিত দেয় কিন্তু বৃহস্পতির উপস্থিতির ফলে এর বিপরীত ঘটনা ঘটান সম্ভাবনা আছে অর্থাৎ মামাবাড়ীর আত্মীয়স্বজনের সঙ্গে আপনার সুসম্পর্ক থাকবে। তারা আপনাকে নানাভাবে সহযোগিতা করবে।

## শুক্র

সিংহরাশির দ্বাদশস্থানে শুক্রের অবস্থান হেতু আপনি অধিক অর্থসঞ্চয় করবেন। আপনি উপার্জিত অর্থ নিজের জামাকাপড় কিনতে ব্যয় করবেন এবং অল্প পরিমাণ অর্থ মদ্যপানে ব্যয় করবেন।

আপনার দূরভ্রমণের লক্ষণ আছে। এই সময়কালে আপনার জীবনে বহুবার ভ্রমণ করার দরুন আপনি অস্থির হবেন। ধর্মীয়কারনে বিদেশভ্রমণের সম্ভাবনা থাকবে।

কন্যালগ্নের দরুন আপনার দৃষ্টিশক্তি ভালো হবে কিন্তু শুক্রের দ্বাদশস্থানে অবস্থান হেতু চোখের সমস্যা হবে। এর ফল মারাত্মক হবে না কিন্তু চিকিৎসকের সাহায্য নেবেন।

## শনি

মকররাশির পঞ্চমস্থানে শনির অবস্থান ইংগিত করে যে, আপনি মসৃনভাবে আপনার শিক্ষা সমাপ্ত করবেন। আপনি আপনার সন্তানদের মাধ্যমে আরাম পাবেন। শনি বৃষ্টি স্নানাদিপি হওয়ার ফলে

সন্তানদের মাধ্যমে দুঃখ কষ্ট পাওয়ার ইংগিত রয়েছে। শনির প্রভাবে সন্তান হারানোরও সম্ভাবনা দেখা যায়। আপনি জনগনের সম্মুখে যে কোন প্রস্তাব সুন্দরভাবে উপস্থাপনা করেন যাতে তা গ্রহণযোগ্য হয়। আপনি আপনার পরিবারকে নিজ নিয়ন্ত্রনাধীন রাখতে সক্ষম হবেন।

### রাহু

রাহুর নবমমস্থানে অবস্থান হেতু আপনি আপনার দায়িত্ব সম্পূর্ণ করতে পারবেন না। জীবনে উন্নতির ক্ষেত্রে আপনাকে বেশীমাত্রায় চেষ্টা করতে হবে। আপনি প্রতিবন্ধকতার সম্মুখীন হবেন। জীবনের প্রথম থেকে শেষ পর্যন্ত আপনাকে সংগ্রাম করতে হবে। আপনি মানসিক দিক থেকে দৃঢ় হবেন না।

কন্যালাগ্ন হওয়ার দরুন আপনি ধার্মিক, কিন্তু রাহু আপনাকে ধার্মিক আচার-অনুষ্ঠান পালনে বাধা দেবে। আপনার উদ্ভিগ্নতার দৃষ্টিতে বিনয়িত হওয়া আপনাকে সুখীজীবন অতিবাহিত করবেন।

### কেতু

কন্যালাগ্ন ইংগিত করে যে জীবনের প্রতিটি ক্ষেত্রে আপনি সাফল্য পাবেন কিন্তু কেতুর প্রভাবে আপনার নিজস্ব উদ্দেশ্য পূরণে কঠোর পরিশ্রম করতে হবে এবং সাফল্য পাওয়া কষ্টকর হয়ে পড়বে।

কন্যারশির অবস্থান হেতু আপনি ভাইদের সাথে আন্তরিক সম্পর্ক বজায় রাখবেন। এমনকি আপনি মাসতুতো ভাইদের প্রতি সহানুভূতিশীল হবেন। কিন্তু কেতুর অবস্থানের জন্য আপনাদের মধ্যে গোলযোগ, অশান্তি ও ভুল বোঝাবুঝি হওয়ার সম্ভাবনা আছে।

# দশা বিশ্লেষণ

মহাদশা :- বৃহস্পতি  
( 19/07/2021 - 03/09/2030 )

আপনার কুন্ডলীতে বৃহস্পতির মহাদশা ১৯/০৭/২০২১ আরম্ভ হবে এবং ১৬ বছর পরে ০৩/০৯/২০৩০ সমাপ্ত হবে।

আপনার জন্মকুন্ডলীতে গুরু ষষ্ঠ ভাবে অবস্থিত। ষষ্ঠস্থান রোগ-ব্যাপি, ঋণ, শত্রু, কর্মচারী, মামা, ক্রোধ ইত্যাদির ভাব। গুরু শুভ গ্রহের ফলে ষষ্ঠভাব থেকে দশম, দ্বাদশ ও দ্বিতীয় ভাবে দৃষ্টিপাত দ্বারা ঐশ্বর্যসম্পন্ন ও উন্নতি প্রদান করছে। অতএব ১ জীবনে ছোটখাটো কিছু সমস্যা সৃষ্টি করলেও সার্বিক ভাবে আপনার জীবন ভালোই থাকবে।

স্বাস্থ্য :

রাগ, শত্রু, ঋণ ইত্যাদির কারক স্থান ষষ্ঠ ভাব। এখানে শুভ গ্রহ গুরুর অবস্থানের ফলস্বরূপ আপনি ঋণমুক্ত এবং জটিল রোগ মুক্ত থাকবেন। শত্রুরা আপনার ক্ষতি করায় অসফল হবে। কিন্তু পা এবং যকৃত জনিত অসুস্থতার ব্যাপারে সতর্ক থাকার চেষ্টা করা উচিত।

অর্থ-সম্পত্তি :

গুরুর ষষ্ঠ ভাব স্থিতি এবং দশম এবং দ্বিতীয় ভাবে দৃষ্টি অর্থাৎ ব্যয়, জীবিকা ও ধন ভাবে থাকার কারণে এই দশায় আপনার ধন বৃদ্ধির প্রচুর সুঅবসর প্রাপ্ত হবে। আপনি উপার্জনের বৃদ্ধি করতে সমর্থ হবেন এবং বিলাসিতার বস্তুর উপর অর্থ ব্যয় করবেন।

ব্যবসায় :

গুরুর দৃষ্টি দশম ভাব অর্থাৎ কেন্দ্র ও কর্ম ভাব, দ্বাদশ অর্থাৎ ব্যয় ভাব এবং দ্বিতীয় অর্থাৎ ধন ভাবের উপর থাকার ফলে আপনি কর্ম ক্ষেত্রে উন্নতি করতে এবং আর্থিক উপার্জনের ক্ষেত্রে বৃদ্ধিতে সফল হবেন। তবে এই দশায় কখনও সখনও কিছু লোকসান হতে পারে। অতএব এ ব্যাপারে প্রয়োজনীয় সতর্কতা অবলম্বন করুন।

পারিবারিক জীবন :

আপনার জীবনসংগী গুরুর অবস্থান ও বিভিন্ন ভাবে দৃষ্টিপাতের কারণে আপনি জীবনসংগীর পূর্ণ সহযোগিতা প্রাপ্ত করবেন। আপনার সন্তান এবং আত্মীয়-পরিজনরা আপনাকে সহায়তা করবে। সহায়তাকারী জীবনসংগী এবং আজ্ঞাকারী পুত্রের কারণে আপনার পারিবারিক জীবন এই দশায় অত্যন্ত সুখ ও আনন্দময় ব্যতীত হবে।

**অন্তর্দর্শা :- বৃহস্পতি - রবি**  
**( 17/03/2025 - 03/01/2026 )**

আপনার বৃহস্পতির মহাদশা ১৯/০৭/২০২১ আরম্ভ হয়ে ছিল। এই মহাদশার ষষ্ঠ অন্তর্দর্শা সূর্যের। ভোগ্য কাল ৯ মাস ১৮ দিন। আপনার এই অন্তর্দর্শা ১৭/০৩/২০২৫ আরম্ভ হয়ে ০৩/০১/২০২৬ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শাধিপতি সূর্য আত্মা, পিতা, কার্যক্ষমতা ও সুস্বাস্থ্যের কারক।

এই দশায় আপনার সফলতা উচ্চপদ প্রাপ্তি সম্মান বৃদ্ধি এবং কার্যে সাফল্য লাভ হবে। উচ্চাধিকারীদের প্রসন্না প্রাপ্তি এবং ধন লাভের সম্ভাবনা আছে। আপনার আকাঙ্ক্ষাপূর্ণ হবে। বিনিবেশ ও ফাটকায় লাভ হতে পারে। উচ্চপদস্থ এবং উপকারী মিত্র লাভ হওয়া সম্ভব।

আপনার জীবনসাথী সৌভাগ্যবান। পিতার আকাঙ্ক্ষা পূর্তি ও সাহিত্য ক্ষেত্রে লাভ হবে। মাতার জীবনে অপ্রত্যাশিত ঘটনা ঘটত হতে পারে। আপনার ভাই-বোনে ভ্রমণ উচ্চশিক্ষা লাভ, ভাগ্য বৃদ্ধি ও আত্মবিশ্বাস বৃদ্ধি সপ্তে দেখা যায়।

আপনার সন্তান অংশীদারী ও সামুদায়িক কর্মে লাভবান হবে। চাকুরীরত হলে পদোন্নতি অথবা বাঞ্ছিত স্থানে স্থানান্তরণ সম্ভাবনা প্রবল। ব্যবসায় লাভ যোগ দেখা যায়।

যদি আপনি চাকুরীরত হলে সুবিধাসম্পন্ন কার্যালয় প্রাপ্ত করবেন। পরামর্শদাতাদের ধনার্জন এবং ব্যবসায়ীদের অর্থ ও সৌভাগ্য লাভ হবে।

আপনার স্বাস্থ্য ভালো হলেও কান ও পায়ের খেয়াল রাখুন। শুভ্র বৃদ্ধির জন্য গম, গুড় ও তামা দান করুন।

**অন্তর্দর্শা :- বৃহস্পতি - চন্দ্র**  
**( 03/01/2026 - 05/05/2027 )**

আপনার বৃহস্পতির মহাদশা ১৯/০৭/২০২১ আরম্ভ হয়ে ছিল। এই মহাদশার সপ্তম অন্তর্দর্শা চন্দ্রের। ভোগ্যকাল ১ বর্ষ ৪ মাস। আপনার এই অন্তর্দর্শা ০৩/০১/২০২৬ আরম্ভ হয়ে ০৫/০৫/২০২৭ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শাধিপতি চন্দ্র সৌন্দর্য, স্বাস্থ্য, মানসিক স্বাস্থ্য ও ভাবনার কারক গৃহ।

এই দশায় আপনি পারিবারিক জীবনে সুখ শান্তি ও আনন্দলাভ করবেন আপনার মধুর স্বভাব ও ব্যবহার সমাজে আপনার সম্মান ও প্রভাব বৃদ্ধি করবে। আপনি রাজনীতিতে সফল হতে পারেন। শিক্ষা ভাব উত্তম। জ্ঞান-বিজ্ঞানে আপনার রুচি বৃদ্ধি হবে। আধ্যাত্ম ক্ষেত্রেও আপনি আগ্রহ দেখাতে পারে। আপনার প্রচুর ধন সঞ্চয় হবে। আপনার জীবনসাথীর ধন লাভ যোগ দেখা যায়।

আপনার পিতার স্বাস্থ্য উত্তম। মাতা বহু মিত্র লাভ করবেন। আপনার ভাই-বোনদের ভ্রমণ, সুখী জীবন, উত্তম শিক্ষা এবং প্রতিযোগীদের কারণে সমস্যার সম্মুখীন হতে পারেন।

আপনার সন্তানের শিক্ষা ভাব উত্তম। কর্মরত হলে সফল হবে।

যদি আপনি কর্মরত হন তাহলে সৌভাগ্যবান হবে। পরামর্শদাতাদের অকস্মাৎ এবং পূর্ব

বিনিবেশ দ্বারা অর্থ লাভ হবে। ব্যবসায়ীদের কিছু পরিবর্তন যোগ সূচিত হয়।

আপনার স্বাস্থ্য ভাব উত্তম। মুখ ও শরীরের সাধারণ কিছু অসুস্থতা দেখা দিতে পারে। শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য স্বেত বস্ত্র দান করুন।

**অন্তর্দর্শা ৪- বৃহস্পতি - মঙ্গল**  
**( 05/05/2027 - 10/04/2028 )**

আপনার বৃহস্পতির মহাদশা ১৯/০৭/২০২১ আরম্ভ হয়ে ছিল। এই মহাদশার অষ্টম অন্তর্দর্শা মঙ্গল গৃহের। ভোগ্যকাল ১১ মাস ৬ দিন। আপনার এই অন্তর্দর্শা ০৫/০৫/২০২৭ আরম্ভ হয়ে ১০/০৪/২০২৮ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শাধিপতি মঙ্গল সাহস, শৌর্য ও আত্মবিশ্বাসের কারক।

এই দশায় আপনি সফল ও ধনবান হবেন। আপনার বহু মিত্র লাভ ও প্রভাব বৃদ্ধি পাবে। আপনি বিনিবেশে লাভ ও নিজ লক্ষ্য প্রাপ্তিতে সফল হবেন। আপনার কার্যের প্রশংসা প্রাপ্ত করবেন।

আপনার সাহস ও উৎসাহ বৃদ্ধি এবং পরীক্ষায় সফলতা লাভ হবে। শিক্ষা বিশেষকরে যান্ত্রিকী শিক্ষা লাভের সম্ভাবনা অতি উত্তম। আপনার উত্তম স্বাস্থ্য লাভ, আশ্রিতদের সহযোগিতা এবং শত্রু বিজয় সফল হবেন। কোনো শিশু জন্মের সম্ভাবনা আছে।

আপনার জীবনসার্থী বিনিবেশ ও ব্যবসায় লাভবান হবেন। আপনার পিতা উচ্চপদ প্রাপ্ত করতে পারেন। মাতার জীবনে নতুন পরিবর্তন হওয়া সম্ভব। আপনার ভাই-বোন জ্ঞান-বিজ্ঞান এবং সাহসিক কার্যে সফলতা লাভ করবেন।

আপনার সন্তান বাঞ্ছিত কার্যে সফলতা এবং সামুদায়িক কার্যে আনন্দ লাভ করবেন। যদি কার্যরত হয় তাদের বিনিবেশে লাভ হবে।

আপনি কর্মরত হলে প্রতিযোগিতায় সাফল্য এবং উত্তম সুবিধা যুক্ত কার্যালয় প্রাপ্ত হবে। পরামর্শদাতাদের আয় বৃদ্ধি এবং ব্যবসায়ীরা সৌভাগ্যবান হবেন।

আপনার স্বাস্থ্য ভাব উত্তম। শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য তন্দুরে তৈরী মিষ্টি রুটি বিতরণ করুন।

**অন্তর্দর্শা ৪- বৃহস্পতি - রাহু**  
**( 10/04/2028 - 03/09/2030 )**

আপনার বৃহস্পতির মহাদশা ১৯/০৭/২০২১ আরম্ভ হয়েছে। এই মহাদশার নবম অন্তর্দর্শা রাহুর। ভোগ্যকাল ২ বছর ৪ মাস ২৪ দিন। এই অন্তর্দর্শা ১০/০৪/২০২৮ আরম্ভ হয়ে ০৩/০৯/২০৩০ সমাপ্ত হবে। অন্তর্দর্শা স্বামী রাহু ভৌতিক সুখ, হঠাৎ পরিবর্তন ও বিদেশীদের কারক গৃহ।

এই দশায় আপনি ধনী ও সৌভাগ্যশালী হবেন। জাগতিক সুখ সামগ্রী লাভ করবেন। পিতা সঙ্গে সম্পর্ক মধুর হবে। সুদূর যাত্রা বা বিদেশীদের সঙ্গে সম্বন্ধ স্থাপিত হবে। অধ্যাত্ম ও দর্শনে আপনার রুচি বৃদ্ধি হবে। ভাই-বোন আত্মীয় পরিজন এবং সন্তান সুখ লাভ করবেন। লেখনী ভাষণ ইত্যাদি ক্ষেত্রে আপনার দক্ষতা বৃদ্ধি হবে।

আপনার জীবনসার্থীর ইচ্ছা পূর্ণ হবে। আপনার পিতা সুপ্রসিদ্ধ হবেন। মাতার ঋণ মুক্তি আশি

মহাদশা :- শনি  
( 03/09/2030 - 03/09/2049 )

শনির মহাদশা ১৯ বর্ষ অবধি হয়। আপনার কুন্ডলীতে এই দশা ০৩/০৯/২০৩০ আরম্ভ ও ০৩/০৯/২০৪৯ সমাপ্ত হবে।

শনি আপনার কুন্ডলীতে পঞ্চম ভাবে অবস্থিত। শনি এক অশুভ গৃহ এবং ফল প্রাপ্তিতে বিলম্ব ও বাধা প্রদান করে। ফল প্রাপ্তির জন্য এই গৃহ জাতককে কঠিন পরিশ্রম করায় প্রেরিত কোরে জাতকের ধৈর্য পরীক্ষা নেওয়ার পরে জাতককে লক্ষ্য প্রাপ্তি করায়। অতএব শনি এক 'কার্মিক' গৃহ। আপনার জন্মকুন্ডলীতে শনি পঞ্চম ভাবে স্থিত হয়ে। সপ্তম, দ্বাদশ এবং দ্বিতীয় ভাবের উপর নিজের প্রভাব বিস্তার করছে। পঞ্চম ভাব সন্তান, সুখ, বুদ্ধি, বিশাল সম্পত্তি, প্রতিভা, কলা কুশলতা, আধ্যাত্মিক কার্য ইত্যাদির দ্যোতক।

স্বাস্থ্য :

মহাদশা স্বামী পঞ্চম ভাবে শক্তি প্রদান করার ফলস্বরূপ আপনার সাধারণতঃ এই দশায় কোনো কঠিন রোগ হবে না। কিন্তু আপনি কিছু সাধারণ স্বাস্থ্য সমস্যার সম্মুখীন হতে পারেন।

অর্থ ও সম্পত্তি :

পঞ্চম ভাবে স্থিত যোগকারক শনি এই ভাবে প্রবল করার ফলে আপনার আর্থিক স্থিতি উন্নত ও সুদৃঢ় করার অনেক সুযোগ প্রাপ্ত করবেন। লটারী, প্রতিযোগিতা মূলক বিষয় আপনি বিজয় প্রাপ্তির দ্বারা আর্থিক লাভ পাবেন। কিন্তু সম্পত্তি প্রাপ্তিতে কিছু বাধা উৎপন্ন হতে পারে।

জীবিকা :

আপনি জীবিকার্জনের জন্য যে কোনো ব্যবসায় বা বিষয় অভিরুচি দেখাবেন সেই ব্যাপারে আপনি একজন বিশেষজ্ঞ প্রমাণিত হবেন। সরকারী ব্যক্তিদের সঙ্গে আপনার মিত্রতা সম্বন্ধ হবে। আপনি মন্ত্র শাস্ত্রের জ্ঞাতা হবেন। আপনি গণিত ও অন্যান্য শাস্ত্রের বিদ্বান প্রতিপন্ন হতে পারেন। আপনি কোনো বৃহৎ সংস্থায় প্রধান পদে উন্নীত হতে পারেন।

পারিবারিক জীবন :

আপনার পারিবারিক জীবন অত্যন্ত সৌহার্দপূর্ণ ও মধুর হবে। আপনার সন্তানরা আপনার আজ্ঞাপালনকারী হবে। আপনি অহঙ্কারী প্রকৃতির হবেন। কিন্তু আপনার প্রতিবেশী ও আত্মীয় পরিজনদের সঙ্গে আপনার সম্বন্ধ মধুর না হওয়ার ফলে আপনার পারিবারিক জীবন অত্যন্ত দুঃখময় হবে। জীবনে প্রভূত

উপর-নীচ অবস্থার সম্মুখীন হবেন এবং আপনার ভাগ্য পরিবর্তনশীল হবে।

শিক্ষা/প্রশিক্ষণ :

এই মহাদশা উচ্চশিক্ষার জন্য অত্যন্ত অনুকূল। আপনি একজন প্রখ্যাত গণিতজ্ঞ হতে পারেন।



অন্তর্দর্শা :- শনি - শনি  
( 03/09/2030 - 06/09/2033 )

শনির মহাদশা ১৯ বছর। আপনার এই মহাদশা ০৩/০৯/২০৩০ আরম্ভ হয়ে ০৩/০৯/২০৪৯ সমাপ্ত হবে। এই মহাদশায় শনির অন্তর্দর্শা ৩ বছর ৩ মাসের যা আপনার জন্য ০৩/০৯/২০৩০ আরম্ভ হয়ে ০৬/০৯/২০৩৩ সমাপ্ত হবে।

শনি আপনার জন্মপত্রিকায় পঞ্চম ভাবে অবস্থিত। পঞ্চম ভাব সন্তান, আমোদ-প্রমোদ, ভ্রমণ, প্রেম সম্বন্ধ, প্রতিযোগিতা, ভালোমন্দ চরিত্র, ধার্মিকতা, বিবেক, ধনাঢ্যতা ও আত্মিক উত্থানের পরিচায়ক। শনি শক্তিশালী ও অশুভ গ্রহ। পঞ্চম ভাব স্থিত শনি আপনার কুন্ডলীর ৭, ১১, ২ ভাবে দৃষ্টিপাত দ্বারা কারকত্বকে প্রভাবিত করছে।

এই দশায় আপনি সবার আলোচনা করবেন। মিত্র ও আত্মীয়দের সঙ্গে ঝগড়া হতে পারে। পারিবারিক জীবন দুঃখময় হবে। আপনি নিজেকে দুর্বল বা অসুস্থ অনুভব করবেন। মনে পাপভাবনা জাগৃত হতে পারে, বুদ্ধিমত্তা হঠাৎ পাবে। কিছু লোগ আপনাকে ঘৃণা করতে পারে। ভাগ্যে উপর নীচ হতে থাকবে। সন্তান দ্বারা দুঃখ পেতে পারেন।

অরিষ্ট মুক্তির জন্য রূপো বা সোনার আংটিতে নীলা রত্ন শনিবার রাত্রি ভোজনের পরে, কাঁচা দুধে বা গঙ্গাজলে ধুয়ে, শিবের প্রার্থনা শেষে ডান হাতের মধ্যমা আঙ্গুলে ধারণ করুন।